भारत सरकार

खान मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1729

दिनांक 01.8.2022 को उत्तर देने के लिए

खनिज अन्वेषण के लिए मानव रहित विमान (यूएवी) का उपयोग

1729. डा. एल. हनुमंतय्या :

श्रीमती फूलो देवी नेतम :

क्या खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार खनिज अन्वेषण के लिए मानवरहित विमानों (यूएवी) का उपयोग करती है;
(ख यदि हाँ, तो उक्त के लिए और अन्य उद्देश्यों के लिए अलग-अलग उपयोग किए गए ऐसे मानव रहित विमानों की संख्या कितनी है;
(ग) क्या ये मानव रहित विमान देश में बनाए जाते हैं या विदेशों से आयात किए जाते हैं;
(घ) तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ; और
(ड़) क्या सरकार का देश में इनका उत्पादन करने की कोई योजना है?

उत्तर

खान, कोयला एवं संसदीय कार्य मंत्री

(श्री प्रल्हाद जोशी)

(क) और (ख): वर्तमान में, खान मंत्रालय के संबद्ध कार्यालय, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) ने कोई ड्रोन आधारित खनिज गवेषण शुरू नहीं किया है।

(ग) से (ड़): केंद्र सरकार ने देश में ड्रोन के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए कई पहल की हैं जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

(i) सरकार ने आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत ड्रोन के लिए भारत को एक वैश्विक केंद्र बनाने के उद्देश्य से 25 अगस्त 2021 को उदारीकृत ड्रोन नियम, 2021 जारी किया।

(ii) भारत में ड्रोन और ड्रोन घटकों के निर्माण को बढ़ावा देने के लिए 30 सितंबर 2021 को ड्रोन और ड्रोन घटकों के लिए उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना को अधिसूचित किया गया है। इस योजना में तीन वित्तीय वर्षों में 120 करोड़ रुपये के प्रोत्साहन का प्रावधान है।

(iii) विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने 9 फरवरी 2022 को जारी अधिसूचना सं 54/2015-2020 द्वारा अनुसंधान एवं विकास, रक्षा एवं सुरक्षा उद्देश्यों के अलावा ड्रोन के आयात पर रोक लगा दी।

*****